

दीपों का त्योहार हम मनाने आए हैं

सिद्धि विनायक गणपति को,
रिझाने आये हैं,
दीपों का त्योहार,
हम मनाने आए हैं।।

जब से तुम कलकत्ता पधारे,
हो गए सबके वारे न्यारे,
प्रथम तुम्हारी होती पूजा,
तुमसे बढ़कर देव ना दूजा,
तेरे चरणों में...
तेरे चरणों में, शीश झुकाने आए हैं,
दीपों का त्योहार,
हम मनाने आए हैं।।

रिद्धि सिद्धि के तुम हो दाता,
भक्तों के तुम भाग्य विधाता,
शुभ और लाभ को देने वाले,
भक्तों के दुःख को हरने वाले,
अपनी किस्मत को,
अपनी किस्मत को, चमकाने आए हैं,
दीपों का त्योहार,
हम मनाने आए हैं।।

नए साल का बही और खाता,
तेरे नाम पे लक्ष्मी दाता,
तेरे साथ शुरुआत करेंगे,
सपने सारे पुरे करेंगे,
श्याम के संग में हम,
श्याम के संग में हम, भोग लगाने आए हैं।
सिद्धि विनायक गणपति को,
रिझाने आये हैं,
दीपों का त्योहार,
हम मनाने आए हैं.....

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/24604/title/deepon-ka-teyohar-hum-manane-aaye-hai>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |